

विहार सरकार ने राज्य के सभी पुलिस कर्मियों/पदाधिकारियों को तदों के तहत
इकाई प्रतीक १९९० आदेश : धारण करने की स्वीकृति गृहआरक्षिक विभाग के पत्र सं० ५/३०-
१५९०३ मुंबाई ७८९१ दिनांक ७-१२-९० द्वारा प्रदान की है। यह इकाई प्रतीक विहार
पुलिस के सभी पंक्तियों के पुलिस कर्मियों/पदाधिकारी वर्दी के कपीज के वयि अंशतिन के मध्य पर
इस प्रकार धारण करेंगे कि प्रतीक चिन्ह कंधे की जोड़ से ५ इंच नीचे हों।

२- इकाई प्रतीक की मध्य लम्बाई १९.बी.। ६ इंच : सेमी० और चौड़ाई १०.बी.। ०
५.५ इंच : सेमी० होगी। इसका ऊपरी तिरा दा बराबर अर्ध चन्द्राकार से जुड़ा होगा। इसका
निचला तिरा १०.बी.० एफ०। विभुजाकार होगी जिसमें टांगें भुजाएँ बराबर होंगी। भुजा सी०
ई० और डी० एफ० समानान्तर एवं बराबर होंगे। भुजा सी० ई० की लम्बाई ५.५ इंच : सेमी० होगी।
आपस सी० ई० एफ० की ठीक बीच में बराबर के साथ वृत्त तथा त्रिकोण क्षेत्र १०.बी.० एफ०। में
जल की चार तहरे जो ऊपर से नीचे क्रम से होती जाती जयेंगी के चिन्ह होंगे। वृत्त वृत्त एवं
जल तहरे के बीच में विहार पुलिस अंशतिन १९९०। इकाई प्रतीक का आधार नेभी ब्लू रंग का
होगा जिस पर प्रतीक चिन्ह तुलसी रंग से पड़े होंगे। इसके मुष्ट तल से पैड एवं हुक लगे रहेंगे।

३- अक्षर अंशतिन पुलिस कर्मियों आरक्षी से आरक्षी निरीक्षक तक ब्लू रंगी जयें
कंधे पर तुलसी रंग से धारण होंगे इकाई प्रतीक धारण करेंगे।

४- अक्षर अंशतिन पदाधिकारी उपनिरीक्षक एवं उपरी पंक्ति के सभी पदाधिकारी
कंधे पर नेभी ब्लू मशाल पर तुलसी जयें से कढ़ाई किया हुआ इकाई प्रतीक धारण करेंगे। जयें
चरम तरफ के किनारों पर तुलसी जयें की दोहरी लाईन होगी। इसमें जल की तहरे उभरी
जाती से बनी होगी। आरक्षीय आरक्षी सेवा के पदाधिकारी के लिए इकाई प्रतीक में तुलसी
जयें से केवल "विहार" अंशतिन रहेगा।

५- टांगों के लिए इकाई प्रतीक का परिमाण तथा चिन्ह कडिका- २ के अनुसार
होगा।

६- आरक्षी आरक्षी/स० आ० नि० कोटि के पुलिस कर्मियों को अन्य वर्दी की तहत
प्रत्येक इकाई प्रतीक जिस इन्क उपलब्ध कराया जायेगा जिस पर होने वाले व्यय पुलिस व्यवस्था
के आरक्षी एवं पुलिसियों की सेवा के अन्तर्गत वहन किया जायेगा। अवर निरीक्षक और उपर
अक्षर के पुलिस पदाधिकारी इकाई प्रतीक पर होने वाले व्यय का स्वयं वहन करेंगे।

७- यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

महानिदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक, विहार,
पटना।

1016105

- नर सुकान्ति एवं आत्मपद किमर्थं प्रेषित । उनसे अक्षरोप है कि अपने अधीनस्थ पद विधिवत्
निराकरण को तत्काल ही विचार दें ।

- ७१- पी-१ प्रश्नवां का दृष्टिगत न आरही गलत में प्रकाशन करु प्रेषित ।
७२- आरही प्रमाणितक, अपराध अनुसंधान विभाग/विद्वत् हाता/संश्लेषित रिपोर्ट
विशेषिक एवं विवरणी प्रमाणित

- विद्यमान मन्त्रिः । अतिथि आरक्षी महाविनिर्वाह, सहायक कन, रेलम, शुद्ध रहस्यमन्त्रिणि ।
 २. अतिथि आरक्षी महाविनिर्वाह, सहायक कन, रेलम, शुद्ध रहस्यमन्त्रिणि ।
 ३. अतिथि आरक्षी महाविनिर्वाह, सहायक कन, रेलम, शुद्ध रहस्यमन्त्रिणि ।

प ट नः ।

2013-12/90

